SWAMI VIVEKANANDA MAHILA MAHAVIDHYALAYA, ROOPANGARH

FACULTY NAME :	SUMAN KUMARI
COURSE :	BA II YEAR
PAPER :	MEDIVAL HISTORY
SUBJECT :	HISTORY
UNIT :	I
SESSION NAME :	KHILJEE DYNESTY

शिक्षण उद्देश्य (TEACHING OBJECTIVE)

- खिलजी क्रांति के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को अलाउद्दीन खिलजी की विजयो,

  प्रशासनिक व आर्थिक सुधारो से अवगत कराना।

खिलजी वंश

- जलालुद्दीन खिलजी-1290-1296
- अलाउद्दीन खिलजी-1296-1316
- मुबारक शाह खिलजी-1316-1320

जलालुद्दीन खिलजी-1290-1296

- जलालुद्दीन खिलजी-70 वर्ष का बूढ़ा शासक था
- खिलजी वंश का संस्थापक था।
- दक्षिण भारत का पहला अभियान इसी काल में
- दीवान -ए -वकूफ पद बनाया
- राज्याभिषेक-कूनागढ़ी महल/ लाल महल
- राजधानी-कोल्हापुरी

जलालुद्दीन खिलजी-1290-1296

दक्षिण भारत का अभियान-अलाउद्दीन ने देवगिरी के राजा रामचंद्र देव पर हमला किया यहां से खजाना लौटकर वह कड़ा नामक स्थान पर ले जाता है तथा जलालुद्दीन को वहीं पर बुलाता है और मोहम्मद सलीम+बख़्तियार खिलजी की सहायता से जलालुद्दीन को मरवा देता है।

अलाउद्दीन खिलजी-1296-1316 ई

- यह जलालुद्दीन का भतीजा व दामाद था।
- शासक बनते समय कड़ाव मणिकपुरकासूबेदार था।
- शासक बनते समय इस ने अर्कली खा इब्राही खां जलालुद्दीन के पुत्रों को मरवा दिया
- उसने सिकंदर की तरह विश्व विजेता का ख्वाब देखा परंतु अल्लाह उन मुल्क की समझाइश पर त्याग दिया

अलाउद्दीन खिलजी के अभियान-

- देवगिरी-राजा रामचंद्र देव (1296)
- गुजरात-राजा कर्ण बाघेला 1298ई
- देवगिरी-1305-06ई
- वारंगल-शासक -प्रताप रुद्रदेव

अलाउद्दीन के प्रशासनिक कार्य

- जनता की जानकारी हेतु गुप्तचर नियुक्त किये
- मद्यपान निषेध कर दिया
- अमीरों व मालिकों के मिलने पर रोक
- अमीरों व मालिकों के वैवाहिक संबंधों पर भी रोक
- सभी से राजकीय अनुदान पुरस्कार, इनाम वक्फ भूमियों पर रोक तथा छीनकर उनको खालसा भूमि में बदला।

भू-राजस्व क्षेत्र

- दीवान -ए -मुस्तखराज विभाग द्वारा भूमि की पैमाइश करवाई।
- राजस्व की दर 50% निर्धारित की गई
- अलाउद्दीन खिलजी प्रथम मुस्लिम शासक था जिसने भूमि की वास्तविक आय पर कर निर्धारण किया।
- अलाउद्दीन खिलजी ने नये कर लगाए।
- चरी कर-मकान पर
- चराई कर-दुधारू पशुओं पर

बाजार क्षेत्र

- बाजार क्षेत्र में सुधार का मुख्य कारण अलाउद्दीन खिलजी की सेना को नगद वेतन देना था।
- बाजार अधीक्षक नियुक्त किया।
- अलाउद्दीन खिलजी के समय के चार बाजार-

1 मंडी/गल्ला बाजार

2 सराये अदल- कपड़ा ,चीनी मेवा घी

3 घोड़े व दासो का बाजार।

4 शेष वस्तुओं का बाजार

अन्य कार्य

- घोड़े दागने की प्रथा शुरू की।
- हुलिया प्रथा शुरू की जिसमें सैनिकों के बारे में जानकारी लिखी जाती थी।

THANK YOU